प्रेस-विज्ञप्ति 21 दिसम्बर, 2018

आज दिनांक 21 दिसम्बर, 2018 को सायं 04:00 बजे से ट्रेड कमेटी, मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा **'आर्बिट्रेशन'** पर वार्ता का आयोजन किया गया।

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री बी.एम. गर्ग, ने अपने स्वागत-भाषण में वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता- कौशल कुमार शर्मा का अभिनन्दन करते हुए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री शर्मा आर्बीट्रेशन विषय पर अपना ज्ञान व् अनुभव मर्चेंट्स चैम्बर के सदस्यों के मध्य साझा करेंगे तथा आशा है कि उपस्थित समस्त गणमान्य श्री शर्मा के वक्तव्य से लाभावित होंगे।

परिचर्चा में श्री प्रेम मनोहर गुप्ता, चेयरमैन, ट्रेड कमेटी ने मुख्य-वक्ता, वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता- कौशल कुमार शर्मा का परिचय दिया।

आर्बिट्रेशन की उपयोगिता बताते हुए आयोजित परिचर्चा के मुख्य-वक्ता, वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता- कौशल किशोर शर्मा ने कहा कि व्यावसायिक विवादों के त्वरित समाधान के लिए न्यायालय की लम्बी और उबाऊ प्रक्रिया की तुलना में आर्बिट्रेशन खुद चुना हुआ सहज विकल्प है। विवादों को सुलझाने की इस प्रक्रिया में समय और पैसा दोनों की बचत होती है और विवादों के पक्षकारों के बीच कटुता भी नहीं आती। सरकार ने भी एम.एस.एम.ई. उद्यमियों के व्यावसायिक लेन देन के विवादों के समाधान के लिए कानून बनाकर एम.एस.एम.ई. फैसिलीटेशन कौंसिल का गठन किया है। कोई भी उद्यमी न्याय शुल्क अदा किये बिना अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए कौंसिल के समक्ष शिकायत कर सकता है। काउंसिल बतौर आर्बिट्रेटर दोनों पक्षों के मध्य समझौता कराने का प्रयास करती है और यदि आपसी समझौता नहीं हो सका तो कौंसिल बाकाया राशि ब्याज सहित दिलाती है। श्री कौशल कुमार शर्मा उद्यमियों से फैसिलीटेशन कौंसिल का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की सलाह दी। श्री शर्मा नी बताया कि कई लघु उद्यमियों की बकाया राशि का भुगतान भारत सरकार के विभाग तकनीकी बहाने लेकर उलझाए हुए थे। काउंसिल के समक्ष उन्हें 27 प्रतिशत ब्याग सहित बकाया राशि का भुगतान करना पड़ा है। काउंसिल द्वारा पारित आर्बिट्रेशन अवार्ड के विरुद्ध 75 प्रतिशत राशि जमा किये बिना सुनवाई नहीं होती।

परिचर्चा में प्रश्नोत्तर-सत्र का आयोजन किया गया।

परिचर्चा का संचालन श्री महेंद्र नाथ मोदी, सचिव, मर्चेंट्स चैम्बर एवं धन्यवाद-प्रस्ताव श्री सुशील शर्मा ने प्रस्तुत किया।

परिचर्चा में अतुल कनोडिया, डॉ. जे.एन. गुप्ता, मुकुल टंडन, संतोष गुप्ता, विजय पाण्डेय, अविनाश चतुर्वेदी, लाडली प्रसाद, व् मर्चेंट्स चैम्बर के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

धन्यवाद